

I NEXT (Dainik Jagran)  
28 AUGUST, 2019

# समझौते पर हस्ताक्षर किए

वन कार्बन भंडारों का संरक्षण  
और वनों के मैनेजमेंट में  
मिलेगी मदद

**DEHRADUN (27 Aug.):** रेडप्लस हिमालय परियोजना का विस्तार करने के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान, शिक्षा परिषद एवं अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र की ओर से

समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. समझौते का उद्देश्य विकासशील देशों में वन कार्बन भंडारों के संरक्षण का महत्व, वनों का स्थाई प्रबंधन हैं. इस मौके पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. सुरेश गैरोला ने बताया इस दौरान रेडप्लस प्रकोष्ठों को सुदृढ़ किया जाएगा. परियोजना के विस्तार के चरण में रेडप्लस के लिए बांस को लेकर भी स्टडी की जाएगी.

## रेड प्लस हिमालय योजना का होगा विस्तार

देहरादून। रेड प्लस हिमालय परियोजना का विस्तार करने को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् और अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केन्द्र ने समझौते पर हस्ताक्षर विकासशील देशों में निर्वनीकरण और वन क्षरण से उत्सर्जन को कम करना और वन कार्बन भंडारों के संरक्षण का महत्व, वनों का स्थायी प्रबंधन तथा वन कार्बन भंडारों का संवर्धन सामूहिक रूप से रेड प्लस के नाम से जाना जाता है जो वन क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन शमन विकल्प में से एक हैं। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् तथा काठमांडू, नेपाल स्थित अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केन्द्र ने 2015 में भारत के हिन्दु कुश हिमालय भाग में ट्रांस-बाउंड्री परिदृश्य में रेड प्लस हिमालय परियोजना के क्रियान्वयन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दक्षिण-दक्षिण सहयोग के माध्यम से परियोजना मुख्यतः क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी साझाकरण तथा रेड प्लस पर ज्ञान के प्रसार पर केन्द्रित है।

# रेडु प्लस हिमालय परियोजना का विस्तार

■ देहरादून (एसएनबी)।

रेडु प्लस हिमालय परियोजना का विस्तार करने हेतु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) व अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईमोड) के मध्य समझौता हुआ है। परियोजना का विस्तार जुलाई 2020 तक किया गया है।

वन महानिदेशक व भारत सरकार के विशेष सचिव सिद्धांत दास, आईसीआईमोड के डिप्टी डायरेक्टर जनरल डा. एकलव्य शर्मा, मुख्य नीति सलाहकार वीएमएस राठौर व समन्वयक डा. भास्कार कार्की की मौजूदगी में आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. सुरेश गैरोला व आईसीआईमोड के महानिदेशक डा. डेविड मोल्डन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विकासशील देशों में वन कार्वन भंडारों के संरक्षण, वनों का स्थायी प्रबंधन व वन कार्वन भंडारों का

संवर्धन करने को रेडु प्लस के नाम से जाना जाता है। इससे पहले भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद तथा काठमांडू स्थित अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास

केन्द्र ने 2015 में हिन्दूकुश हिमालय के ट्रांस-वाउंड्री परिदृश्य में रेडु प्लस हिमालय परियोजना के क्रियान्वयन हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर किये थे।



एमओयू पर हस्ताक्षर करते आईसीएफआरई व आईसीआईमोड के अधिकारी।



## कार्बन उत्सर्जन कम करने को एमओयू

देहरादून : वन संरक्षण से कार्बन उत्सर्जन को कम करने, कार्बन स्टॉक बढ़ाने आदि को लेकर आइसीएफआरई व नेपाल की संस्था इसीमोड के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) साइन किया गया। यह समझौता भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला व अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (इसीमोड) के महानिदेशक डॉ. डेविड मोल्डन के बीच हस्ताक्षरित किया गया। डॉ. एससी गैरोला ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की रेड प्लस हिमालयी परियोजना के विस्तार को लेकर समझौते के तहत तमाम काम किए जाएंगे। यह परियोजना जर्मनी संघीय गणराज्य के पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण मंत्रालय की है। इसके अंतर्गत भारत समेत भूटान, नेपाल, म्यांमार में पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न काम किए जा रहे हैं। इन कार्यों को जुलाई 2020 तक पूरा किया जाना है। एमओयू किए जाने के दौरान पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के विशेष सचिव सिद्धांत दास, उप महानिदेशक डॉ. एकलव्य शर्मा, वीएमएस राठौर, डॉ. भास्कर कार्की आदि उपस्थित रहे। (जास)

# THE HAWK

## 28 AUGUST, 2019

### Agreement Signed by ICFRE And ICIMOD To Extend REDD+ Himalaya Project

**Dehradun:** Reducing emissions from deforestation and forest degradation in developing countries and role of conservation of forest carbon stocks, sustainable management of forests and enhancement of forest carbon stocks is collectively known as REDD+ which is one of the climate change mitigation option in forest sector.

Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) and International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD) in 2015 agreed for implementation of the trans-boundary landscape project titled 'REDD+ Himalaya: Developing and using experience in implementing REDD+ in the Himalaya' in Hindu Kush Himalayan part of India. The project mainly focused on capacity building, technology sharing and knowledge dissemination on REDD+ through South-South cooperation. The project is supported by the Environment, Nature Conservation, and Nuclear Safety Ministry of the Federal Republic of Germany International Climate Initiative which was implemented in four Hindu Kush Himalayan Countries viz-a-viz Bhutan, India, Myanmar and Nepal.

ICFRE has successfully implemented all the project activities and generated various knowledge products on REDD+. State REDD+ Action Plans for the states of Mizoram and Uttarakhand have also been developed. A number of capacity building programmes and workshops have been organised for enhancing the capacity of the State Forest Departments, research organisation, universities, local communities and other stakeholders for implementation of REDD+ activities. This project has created an enabling environment for implementation of REDD+ readiness activities in India and also provide support to ICFRE for preparation of National REDD+ Strategy 2018.

ICIMOD has appreciated the ICFRE partnership for successful completion of the project activities and bringing out a number of outstanding publications on REDD+. Keeping in view the significant contribution made by ICFRE, the REDD+ Himalaya Project has been further extended up to July 2020.

In this regard, an Addendum to the Letter of Agreement for extension of the project was signed between Dr. Suresh Gairola, Director General, ICFRE and Dr. David Molden, Director General, ICIMOD on 26 August 2019 at ICIMOD, Kathmandu, Nepal in the presence of Sh. Siddhanta Das, Director General & Special Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India, Dr. Eklabya Sharma, Deputy Director General, ICIMOD, Sh. B.M.S. Rathore, Chief Policy Advisor, ICIMOD and Dr. Bhaskar Karky, Coordinator, REDD+ Initiative, ICIMOD.

Dr. Suresh Gairola, Director General, ICFRE informed that ICFRE will strengthen the State REDD+ Cells of State Forest Departments of the Indian Himalayan States, develop the State REDD+ Action Plans for the States of Himachal Pradesh & Sikkim, and also study the potential of bamboos for scoping in REDD+ implementation during this period.



## Agreement signed by ICFRE & ICIMOD to extend REDD+ Himalaya Project

PNS ■ DEHRADUN

The Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) and International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD) in 2015 agreed for implementation of the trans-boundary landscape project titled 'REDD+ Himalaya: Developing and using experience in implementing REDD+ in the Himalaya' in Hindu Kush Himalayan part of India. The project mainly focused on capacity building, technology sharing and knowledge dissemination on REDD+ through South-South cooperation.

Keeping in view the significant contribution made by ICFRE, the REDD+ Himalaya Project has been further extended up to July 2020. In this regard, an addendum to the letter of agreement for extension of the project was signed between ICFRE director general Suresh Gairola and ICIMOD director general David Molden at ICIMOD, Kathmandu, Nepal.

Gairola informed that ICFRE will strengthen the State REDD+ Cells of State Forest Departments of the Indian Himalayan States, develop the State REDD+ Action Plans for the States of Himachal Pradesh



and Sikkim, and also study the potential of bamboo for scoping in REDD+ implementation during this period. The project is supported by the Environment, Nature Conservation, and Nuclear Safety Ministry of the Federal Republic of Germany International Climate Initiative which was implemented in four Hindu Kush Himalayan Countries viz-a-viz Bhutan, India, Myanmar and Nepal.

ICFRE has successfully implemented all the project activities and generated various knowledge products on REDD+. State REDD+ Action Plans for the states of Mizoram and Uttarakhand have also been developed.

A number of capacity building programmes and workshops have been organised for enhancing the capacity of the State Forest Departments, research organ-

isation, universities, local communities and other stakeholders for implementation of REDD+ activities. This project has created an enabling environment for implementation of REDD+ readiness activities in India and also provide support to ICFRE for preparation of National REDD+ Strategy 2018. ICIMOD has appreciated the ICFRE partnership for successful completion of the project activities and bringing out a number of outstanding publications on REDD+.

It is pertinent to mention that reducing emissions from deforestation and forest degradation in developing countries and role of conservation of forest carbon stocks, sustainable management of forests and enhancement of forest carbon stocks is collectively known as REDD+ which is one of the climate change mitigation option in forest sector.